



# चुनावी मोड में आयी भाजपा, दिया बदलाव का संकेत

- शीर्ष नेतृत्व के 'महामंथन' से पार्टी के भीतर पैदा हुई नयी हलचल
- विभिन्न राज्यों में आंतरिक गुटबाजी खत्म करने पर होगा पहला जोर
- मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ की रणनीति का खाका हुआ तैयार

अगले साल होनेवाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर भाजपा में शीर्ष स्तर पर बैठकों का दौर शुरू हो गया है। अभिन्न को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, पूर्व राष्ट्रीय प्रतिक्रिया शाह और पार्टी के राष्ट्रीय संगठन बैठक कर चुनावी तैयारियों से जुड़े संगठनात्मक पहलुओं को लेकर विस्तार से चर्चा की है। इन तीनों की पहली बैठक सोमवार देर रात भाजपा मुख्यालय के केंद्रीय कार्यालय में हुई। कई घंटे बाली इस मैराथन बैठक के बाद तीनों ने नेता मंगलवार को फिर से बैठे। युक्ति कर्नाटक चुनाव

में बीएल संतोष मुख्य रणनीतिकार थे, लिहाजा इस पर भी गौर फरमाया गया कि वहाँ पार्टी की तरफ से किस तरह की कमी रह गयी थी। इस 'महामंथन' ने पार्टी के भीतर नये किस्म की हलचल मचा दी है। इस बैठक को लोकसभा चुनाव की तैयारियों के महेनजर पार्टी को नया रूप-रंग और कलेवर देने की कवायद के तौर पर

## आजाद सिपाही विशेष

देखा जा रहा है। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय संगठन से लेकर कई प्रदेशों में संगठन में बदलाव का खाका तैयार किया गया है, जिसकी मिशन 2024 के तहत शीर्ष नेतृत्व का यह 'महामंथन' आवेदन दिया गया। इस बैठक और राज्यों में भाजपा की अंदरूनी स्थिति का आकलन कर रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राफेश सिंह।

हाल के दिनों में हिमाचल और कर्नाटक में पार्टी की पराजय का प्रमुख कारण बनी थी। बैठक में इस गुजबाजी को दूर करने के उपर्योग पर भी गौर किया गया। इसके लिए सभी पहले मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ पर भाजपा को ध्यान देना है, जबकि इसी साल विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। भाजपा के विशेष संवाददाता राफेश सिंह द्वारा आवेदन दिया गया था, जिसकी मिशन 2024 के तहत शीर्ष नेतृत्व का यह 'महामंथन' आवेदन दिया गया। इस बैठक और राज्यों में भाजपा की अंदरूनी स्थिति का आकलन कर रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राफेश सिंह।



राकेश सिंह

अध्यक्ष अभिन्न शाह और पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष मुख्य प्रदेशों में संगठनात्मक बदलाव के अलावा राष्ट्रीय पराधिकारियों की टीम में खाली पसंदों को भरने के साथ ही दिवाली में भी बदलाव करने की रूपरेखा तैयार की गयी है। इसके तहत विभिन्न राज्यों में व्यापक आंतरिक गुटबाजी को दूर करने के उपाय करने पर विचार किया गया। इसके अलावा देशभर से कुछ नये चेहरों को राष्ट्रीय टीम में शामिल किये जाने के संकेत दिये गये। बैठक के बाद जो संकेत मिले हैं, उनके अनुसार लोकसभा चुनाव के महेनजर संगठन को चुनत-दुरुस्त करने और साथ ही ज्यादा सक्रिय बनाने के लिए कई प्रदेशों के प्रधारी भी बदले जा सकते हैं।

### सबसे पहले तीन चुनावी प्रदेशों में होगा बदलाव

देश में 17वें आम चुनाव में अब एक साल से भी कम का वक्त बच गया है। इसलिए पार्टीयों की चुनाव मरमीरी भी सक्रिय हो गयी है। दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक पार्टी भाजपा पूरी तरह चुनावी मोड में आ गयी है। चुनाव जीने के लिए इस बार भाजपा कोई भी कसर नहीं छोड़ा चाहती। इसके महेनजर पिछले दो दिन में पार्टी के तीन शीर्ष नेताओं ने दो दौर में 15 घंटे तक दिल्ली में बैठक की। इस 'महामंथन' का उद्देश्य आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर पार्टी की अनुसारी लोकसभा चुनाव के विधानसभा के चुनाव होना है। इसके अलावा देशभर से कुछ नये प्रदेशों में भी बदलाव करने के उपाय करने पर विचार किया गया। इसके अलावा देशभर से कुछ नये चेहरों को राष्ट्रीय टीम में शामिल किये जाने के संकेत दिये गये। बैठक के बाद जो संकेत मिले हैं, उनके अनुसार लोकसभा चुनाव के महेनजर संगठन को चुनत-दुरुस्त करने और साथ ही ज्यादा सक्रिय बनाने के लिए कई प्रदेशों के प्रधारी भी बदले जा सकते हैं।



















